सेल की 38वीं आम सभा में अध्यक्ष का संबोधन

प्रिय शेयरधारकों,

आपकी कंपनी की 38वीं आम सभा में आपका स्वागत करते हुए मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है। आपकी कंपनी को हाल ही में सरकार द्वारा महारत्न का दर्जा प्रदान किया गया है, अतः मेरे लिए आपके सम्मुख अपने पहले इस भाषण का विशेष महत्व है। आपकी कंपनी को यह विशेष दर्जा पिछले कुछ वर्षों में अच्छे कार्यनिष्पादन तथा निरन्तर प्रगति के कारण प्राप्त हुआ है। मेरा उद्देश्य हमारी उपलब्धियों को आगे बढ़ाना तथा यह सुनिश्चित करना है कि सेल दृढ़ता और तेजी से विकास पथ पर अग्रसर होता रहे।

विश्व परिदृश्य

वर्ष 2010 के पहले सात माह में उत्पादन में लगभग 25% की वृद्धि प्रशंसनीय है। आशा है कि 2010 में विकसित अर्थव्यवस्थाओं में 2.6 % की वृद्धि होगी जबकि नए उभरते और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में यह वृद्धि 6% तक होने की आशा है। चीन और भारत में इस्पात का उपभोग काफी बढ़ने की सम्भावना है।

भारतीय सम्भावनाएं

आशा है कि आगामी दशक में भारत सबसे अधिक इस्पात का उपभोग करने वाले देशों में से एक बनकर उभरेगा। वर्ष 2020 तक इस्पात की खपत 15 करोड़ टन का स्तर छू सकती है। इसका अर्थ यह है कि उपभोग में 9% की दर से वृद्धि हो सकती है। मशीनरी और उपकरण निर्माण तथा मोटर-गाड़ी उद्योगों जैसे इस्पात की खपत वाले उद्योगों में जो प्रवृत्ति दिखाई दे रही है उसे देखते हुए यह दर आसानी से प्राप्त की जा सकती है। 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) में आधारभूत सुविधाओं में अनुमानित निवेश 20,54,205 करोड़ रुपये किए जाने की सम्भावना है जो 10वीं पंचवर्षीय योजना में सकल घरेलू उत्पाद के 5% के विकास के मुकाबले 9% है।

आपकी कंपनी का कार्यनिष्पादन

वर्ष 2009-10 पूर्व वर्ष में बाजार में मन्दी के कारण उत्पन्न अनिश्चितता के साथ शुरू हुआ। फिर भी, सेल द्वारा आलोच्य वर्ष में विक्रेय इस्पात का 126 लाख टन उत्पादन पूर्व वर्ष की अपेक्षा अधिक था। सेल के कारखानों ने कंटीनुअस कास्टिंग मार्ग से 91 लाख टन इस्पात तैयार किया जो अब तक का सर्वाधिक तथा गत वर्ष की अपेक्षा ३% अधिक था। माननीय शेयरधारकों, आपको यह जानकर

प्रसन्नता होगी कि आपकी कंपनी अब आधारभूत क्षेत्र के लिए उच्च गुणवत्ता वाला इस्पात उपलब्ध कराने हेतु लगभग १००% विशेष भूकम्प प्रतिरोधक टीएमटी तैयार कर रही है।

वर्ष 2009-10 के दौरान सेल के कारखानों ने प्रमुख तकनीकी-आर्थिक मानदण्डों की परिचालन कार्यकुशलता में सुधार किया। हमने 517 किलोग्राम/टीएचएम की सर्वश्रेष्ठ कोक दर प्राप्त की; 1.57 टन/घन मीटर/दिन की सर्वश्रेष्ठ धमन भट्टी उत्पादकता; भिलाई इस्पात कारखाने के एक कन्वर्टर में 11,036 ब्लो का सबसे अधिक लाइनिंग जीवन भी प्राप्त किया गया। सेल के कारखानों में कोल डस्ट इंजेक्शन (सीडीआई) की सर्वश्रेष्ठ दर; 568 मेगावाट का सर्वश्रेष्ठ बिजली उत्पादन; और 6.72 गेगा केलौ./टन कच्चा इस्पात की अब तक की सबसे कम ऊर्जा खपत प्राप्त की गई। आलोच्य वर्ष में सभी पांच एकीकृत इस्पात कारखानों में अब तक की सबसे अधिक श्रम उत्पादकता दर्ज की गई। इनमें औसत उत्पादकता 226 टन/व्यक्ति/वर्ष रही।

कंपनी के पास 31 मार्च, 2010 को अनुसूचित बैंकों में लघुकालीन जमा के रूप में 22,023 करोड़ रुपये की तरल संपत्ति का निवेश किया गया। यदि 16,511 करोड़ रुपये के ऋणों पर विचार किया जाए तो यह कहा जा सकता है कि कंपनी ने लगभग ऋण-मुक्त दर्जा बनाए रखा है। सेल निदेशक मण्डल ने चुकता पूंजी पर 17% का अंतिम लाभांश दिए जाने की सिफारिश की है। इसके अलावा वर्ष में पहले ही 16% का अंतरिम लाभांश दिया जा चुका है तथा इस प्रकार कुल लाभांश 33% हो गया है।

नई पेशकश एवं विनिवेश

प्रिय शेयरधारकों, इस अवसर पर मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि सरकार ने सेल द्वारा 10% अतिरिक्त सार्वजनिक पेशकश तथा दो अलग-अलग पारियों में कंपनी में सरकार के शेयरों के 10% विनिवेश के लिए स्वीकृति प्रदान की है। दोनों पारियों की कुल पेशकश में 41.3 करोड़ रुपये के नए शेयर और इतनी ही राशि के सरकार के पास सेल के शेयरों का विनिवेश किया जाएगा। प्रत्येक पारी में नई पेशकश का 5% (अर्थात् 20.65 करोड़ रुपये के शेयर) और सेल में सरकार के शेयरों के 5% का विनिवेश होगा।

विकास-योजना

इस समय चलाई जा रही आधुनिकीकरण तथा विस्तार योजना के अन्तर्गत वर्ष 2012-13 तक कंपनी की तप्त धातु उत्पादन क्षमता बढ़कर 234.6 लाख टन हो जाएगी। यह विकास योजना, उत्पादन बढ़ाने के अतिरिक्त लागत में कमी करके और पुरानी टेक्नोलाॅजी को समाप्त कर प्रतियोगिता में लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। इसके अतिरिक्त योजना का उद्देश्य ऊर्जा की खपत में कमी, उत्पाद मिश्र का विस्तार, प्रदूषण में कमी, खानों और खदानों का विकास, उपभोक्ता उन्मुख प्रक्रियाएं शुरू करना व आवश्यकता के अनुरूप मूल सुविधाओं का विकास करना भी है।

भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए सेल एक दीर्घकालीन रणनीति लक्ष्य, 2020 पर भी कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य 2020 तक तप्त धातु उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 600 लाख टन करना तथा बाजार

का 30 % अंश प्राप्त करना है (इससे कंपनी को विकास व उपभोक्ता संतुष्टि से अपने मूल उद्देश्य की ओर बढ़ने में सहायता मिलेगी)।

आशा है जल्दी ही इस योजना के अंश के रूप में सेलम इस्पात कारखाने में स्थापित नई इस्पात निर्माण सुविधाएं चालू की जाएंगी। हमें आशा है कि वर्ष 2011 में इस्को स्टील प्लांट में नई सुविधाएं चालू हो जाएंगी। वर्ष 2009-10 के दौरान 10,606 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया गया तथा वर्ष 2010-11 के लिए मुख्यतः आधुनिकीकरण एवं विस्तार के लिए 12,254 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

बिजली

आशा है कि वर्ष 2012-13 में सेल की बिजली की आवश्यकता वर्तमान 1180 मेगावाट के स्तर से बढ़कर लगभग 1900 मेगावाट तक पहुंच जाएगी। आपकी कंपनी प्रथम चरण में यह मांग पूरी करने के लिए बिजली उत्पादन क्षमता 1725 मेगावाट कर रही है। बाकी क्षमता की स्थापना दूसरे चरण में की जाएगी।

एक उत्तरदायी निगमित नागरिक होने के नाते आपकी कंपनी हरित ऊर्जा के क्षेत्र में प्रवेश कर रही है।

लघु कालीन सम्भावनाएं

विस्तार योजना सहित अपने मूल उद्देश्यों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए आपकी कंपनी लगातार आगे बढ़ रही है। फिर भी, कुछ चिन्ता के विषय हैं। इनमें से कुछ तो काफी महत्वपूर्ण हैं और लगातार क्षितिज पर मंडराते रहे हैं। आवश्यक गुणवत्ता और मात्रा में कोकिंग कोयले के स्वदेशी स्रोत कम होने के कारण आपकी कंपनी को अपने उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हर वर्ष अधिक मात्रा में आयात पर निर्भर रहना होता है। कच्चे माल की लागत में वृद्धि, जिसमें जनशक्ति, ईंधन, बिजली, खनिज आदि भी शामिल हैं, से पार पाने के लिए हमने पूरे संगठन में उत्पादकता में सुधार लाने पर जोर दिया है। इसमें कर्मियों के साथ-साथ उत्पादन सुविधाओं व प्रक्रियाओं पर ध्यान केन्द्रित किया जाना भी शामिल हैं।

कच्चा माल सुरक्षा

अनुमान है, आधुनिकीकरण तथा विस्तार के पश्चात् कंपनी की लौह अयस्क आवश्यकता बढ़कर लगभग 430 लाख टन तक पहुंच जाएगी। इस चुनौती का सामना करने के लिए आपकी कंपनी वर्तमान खानों से उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ झारखण्ड सरकार के साथ चिरिया और गुवा खानों के पट्टे के जल्दी-से-जल्दी नवीकरण पर जोर दे रही है। छत्तीसगढ़ सरकार से राऊघाट खान के तीव्र विकास की प्रार्थना की गई है। आपकी कंपनी स्वयं तथा अपने संयुक्त उद्यमों के माध्यम से कच्चा माल परिसंपत्तियों का अधिग्रहण कर कच्चे माल की आश्वस्तता बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

मूल्य सवंर्धित उत्पादों के अंश में वृद्धि

इस समय सेल के उत्पादों में लगभग 37% मूल्य सवंर्धित उत्पाद शामिल हैं। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आपकी कंपनी इस अनुपात को लगभग 50-55% कर रही है। आधुनिकीकरण और विस्तार योजना के अन्तर्गत इस प्रयास में काफी सफलता प्राप्त होने की सम्भावना है। अनेक नई सुविधाओं के कारण अधिक मांग वाले तथा मोटर-गाड़ी उद्योगों जैसे इस्पात की अधिक खपत वाले क्षेत्रों के लिए विश्व स्तर का इस्पात तैयार हो पाएगा। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के माध्यम से ऐसे नए उत्पाद तैयार करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं जिनका बाजार में अच्छा मूल्य मिलता है।

टेक्नोलाॅजी क्षेत्र में अग्रणी

हम जिस अन्य क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं, वह है टेक्नोलाॅजी के क्षेत्र में नेतृत्व प्राप्त करना। दीर्घकालीन आधार पर टेक्नोलाॅजी समावेश प्रयासों को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित पहल की गईं हैं:

- पोस्को, कोरिया के साथ समझौता किया गया है जिसके अनुसार (क) फिनेक्स टेक्नोलाॅजी, जिसके अन्तर्गत इस्पात निर्माण के लिए लौह अयस्क चूर्ण का प्रयोग किया जाता है, को लागू करने तथा (ख) सीआरएनओ स्टील के उत्पादन और बिक्री के लिए उपयोग से पूर्व व बाद के अवसरों के संबंध में विस्तृत साध्यता अध्ययन किया जा रहा है।
- कोबे स्टील लिमिटेड, जापान के साथ एक समझौता किया गया है जिसके अन्तर्गत नगेट के रूप में उच्च श्रेणी का लौह अयस्क उत्पादन करने के लिए प्ज्ठा3 टेक्नोलाॅजी के उपयोग के तकनीकी तथा आर्थिक पक्षों का अध्ययन किया जा रहा है।
- अन्य प्रमुख इस्पात उत्पादकों के साथ इस्पात तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में नई टेक्नोलाॅजी के प्रयोग के संबंध में बातचीत शुरू की गई है।

सहयोग से विकास

सेल में भारत रिफ्रैक्टरीज लिमिटेड (बीआरएल) के विलय के पश्चात् यह सेल की एक यूनिट हो गई है तथा इसका नाम सेल रिफ्रैक्टरी यूनिट (एसआरयू) कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त निगमित कार्य मंत्रालय, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 391-394 के अन्तर्गत महाराष्ट्र इलेक्ट्रोस्मेल्ट लिमिटेड (एमईएल) के सेल में विलय की योजना पर विचार कर रहा है। यही नहीं, बर्न स्टेण्डर्ड कंपनी लिमिटेड की रिफ्रैक्टरी यूनिट के सेल द्वारा अधिग्रहण पर भी विचार किया जा रहा है।

शिपिंग कारपोरेशन आॅफ इण्डिया के साथ संयुक्त उद्यम समझौते के पश्चात् मई, 2010 में सेल के माल की बड़े पैमाने पर ढुलाई के लिए संयुक्त उद्यम के रूप में एक शिपिंग कंपनी निगमित की गई है। सेल ने पश्चिम बंगाल में कुल्टी में रेल डिब्बा बनाने की एक यूनिट स्थापित करने के लिए राइट्स लिमिटेड के साथ भी संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह यूनिट प्रति वर्ष 1,500 डिब्बे तैयार करेगी। इस आधुनिक कारखाने में आरम्भिक चरण में 1,200 डिब्बे बनाने तथा 300 पुराने डिब्बों को ठीक करने की क्षमता होगी।

नए विश्वव्यापी अवसर

अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में विकसित देश अपने आर्थिक विकास के लिए बड़ी आधारभूत योजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। यह सेल के लिए एक अच्छा अवसर है। आपकी कंपनी आने वाले वर्षों मंे विश्व बाजार में अपनी प्रमुख उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है।

पृथ्वी की सुरक्षा

सेल पर्यावरण सुरक्षा के क्षेत्र में अपने निगमित दायित्वों के लिए नियत लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रति पूर्ण रूप से कटिबद्ध है। सेल के कारखानों द्वारा किए गए उपायों के परिणामस्वरूप गत वर्ष की अपेक्षा 2009-10 में वायु में जाने वाले कणों तथा गैसों को कम किया गया है। ऊर्जा की खपत में कमी के लिए विभिन्न उपायों के कारण विशेष ऊर्जा खपत और वायु में कार्बन डायोआॅक्साइड गैस की निकासी कम करने में सहायता मिली है। गत वर्ष की अपेक्षा 2009-10 में ठोस व्यर्थ सामान का उपयोग भी बढ़ाया गया है।

उत्तरदायी निगमित नागरिक

सेल के 'ध्येय' में विशेष रूप से समाज के प्रति कंपनी की कर्तव्यनिष्ठता पर जोर दिया गया है। इसमें "जनता के जीवन में सार्थक परिवर्तन" लाने की बात की गई है। आपकी कंपनी ऐसा पहला सार्वजनिक उपक्रम है जिसने 2006-07 से निगमित सामाजिक उत्तरदायित्वों के लिए वितरणीय अधिशेष के लगभग 2% का आबंटन करना शुरू किया है।

आपकी कंपनी ने शुरू से अब तक लगभग 306 लाख लोगों के लिए 54 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 8 प्रजनन तथा बाल स्वास्थ्य केन्द्र, 17 अस्पताल और विशेषज्ञता प्राप्त अस्पताल शुरू किए हैं। इस्पात नगरियों में लगभग 70 हजार बच्चों को आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 146 स्कूल स्थापित किए गए हैं। सेल के कारखानों/यूनिटों के आसपास के गांवों के 286 स्कूलों के 14 हजार से अधिक छात्रों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के लिए सहायता दी गई है।

उत्कृष्टता की सराहना

हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि कलेण्डर वर्ष 2005, 2006 और 2007 के दौरान प्रधानमंत्री के श्रम पुरस्कार पाने वाले 179 कर्मियों में से 56 सेल के हैं। सेल के कर्मचारी विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कारों में भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं। 2007 में ये पुरस्कार पाने वालों में से 52% कर्मी सेल के थे, जिनकी संख्या 2008 में बढ़कर 58% हो गई। यही नहीं, 'क' श्रेणी के 5 पुरस्कारों में से 4 सेल कर्मियों ने प्राप्त किए हैं। किसी भी सार्वजनिक उपक्रम द्वारा कभी भी प्राप्त पुरस्कारों में ये सबसे अधिक हैं।

हमारे भिलाई इस्पात कारखाने ने वर्ष 2006-07 और 2007-08 के लिए सर्वश्रेष्ठ एकीकृत इस्पात कारखाना होने पर फरवरी, 2010 में प्रधानमंत्री की ट्राॅफी प्राप्त की।

सेल को माननीय प्रधानमंत्री से चार पुरस्कार पाने का विशेष गौरव भी प्राप्त हुआ। किसी भी सार्वजनिक उपक्रम को एक साथ इतने पुरस्कार नहीं मिले हैं। इनमें संस्थागत श्रेणी में वर्ष 2006-07 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के प्रबंधन में अद्वितीय तथा उत्कृष्ट योगदान के लिए स्कोप स्वर्ण ट्रॉफी तथा "खनन एवं खनिज" और "सूचीगत कंपनियों की श्रेणियों में" वर्ष 2007-08 के लिए दो समझौता ज्ञापन उत्कृष्टता पुरस्कार भी शामिल हैं। सेल ने अनुसंधान और विकास, टेक्नोलॉजी विकास तथा आविष्कार के लिए "स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार" स्वर्ण ट्रॉफी भी प्राप्त की है।

निगमित संचालन

आपकी कंपनी सार्वजनिक उपक्रम विभाग, भारत सरकार सहित विभिन्न कानूनों, नियमनों और मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अन्तर्गत पारदर्शिता, प्रकटन और रिपोर्टिंग के उच्चतम मानकों के अनुसरण से निगमित संचालन के अनुरूप कार्य करने के लिए कटिबद्ध है।

आभार

मैं सेल परिवार के सभी सदस्यों के प्रति उनकी कर्तव्यनिष्ठा, सतत प्रयासों और ईमानदारी के लिए अपनी तथा निदेशक मण्डल के अन्य सदस्यों की ओर से प्रशंसा करता हूं। इन्हीं के कारण अनेक समस्याओं के बावजूद आपकी कंपनी ने अच्छे वित्तीय कार्य परिणाम प्राप्त किए हैं। मैं विभिन्न मंत्रालयों, विशेष रूप से भारत सरकार के अधीन इस्पात मंत्रालय तथा विभिन्न राज्य सरकारों को उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभार प्रकट करता हूं। मैं कंपनी के सभी स्टेकधारकों का भी हमारे सभी प्रयासों के लिए निरन्तर समर्थन देने हेतु धन्यवाद करता हूं। मैं निदेशक मण्डल में अपने साथियों के सहयोग तथा अमूल्य योगदान की भी प्रशंसा करता हूं। इन्होंने विकास तथा लाभप्रदता के मार्ग पर कंपनी को नई ऊंचाइयां दिलाई हैं।

हम अपने निष्ठावान उपभोक्ताओं के भी ऋणी हैं। ये हमें मूल्य सवंर्धित सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रेरणा देते रहे। मैं, हमारे डीलरों, बैंकरों, ठेकेदारों और सप्लायरों तथा अन्य बाहरी एजेंसियों के योगदान का भी विशेष रूप से उल्लेख करता हूं।

हम जब वित्त वर्ष 2011 में आगे बढ़ रहे हैं तो हमे लाभप्रद विकास, अधिक मांग वाले उत्पादों के विकास तथा उत्पादन, परिचालन लाभ और नकदी सृजन में सुधार व लागत पर समझदारी से नियंत्रण पर भी ध्यान बनाए रखना होगा।

हमारे सामने का मार्ग कठिन, दुर्गम और चुनौतियों भरा है। परन्तु, कंपनी अपनी सेवा भावना तथा अपने इस्पात कर्मियों के अदम्य साहस की सहायता से इस उत्साहजनक यात्रा पर आगे बढ़ने तथा सेल को विश्व बाजार में स्थापित करने को कृतसंकल्प है।

अन्त में, मैं आपके विश्वास तथा भरोसे के लिए आपमें से प्रत्येक शेयरधारक का धन्यवाद करता हूं तथा आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम आपकी अपेक्षाओं से भी बेहतर निष्पादन करेंगे।

धन्यवाद।

(सी.एस. वर्मा)
अध्यक्ष

30 सितम्बर, 2010

नई दिल्ली